कोटा, राजस्थान में मेमू ट्रेन के उद्घाटन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

आज कोटा में अपने लोगों के बीच आकर और कोटा को सवाई माधोपुर स्टेशन से जोड़ने वाली इस नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह कोटा में रेल बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में भारतीय रेल द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की श्रृंखला की एक कड़ी है।

मुझे विश्वास है कि इस नई एमईएमयू ट्रेन से न केवल रेलवे के व्यापक नेटवर्क का विस्तार होगा, बल्कि यह हमें आपस में जोड़ेगी और हमारे लोगों के लिए भी नए अवसर पैदा करेगी।

रणथंभौर के गेटवे के नाम से मशहूर कोटा और सवाई माधोपुर को पूरे देश में क्रमश: शिक्षा और पर्यटन के केंद्र के रूप में जाना जाता है।

आज कोटा के लोगों के लिए बहुत ही खुशी का अवसर है, क्योंकि इस नई मेमू ट्रेन से सवाई माधोपुर की यात्रा सुगम होगी और दोनों शहरों के लोगों को और अधिक अवसर मिलेंगे।

यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि रेलवे द्वारा देश के विभिन्न स्थानों की यात्रा को आसान बनाने के लिए कोटा में बहुत सारे विकास कार्य किए गए हैं।

सवाई माधोपुर के हमारे लोग और छात्र कोटा के शैक्षिक संस्थानों का लाभ उठा सकते हैं और अपने करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं। इसी तरह, बिजनेस के लिए सवाई माधोपुर जाने वाले हमारे लोग अब सुगमतापूर्वक यात्रा कर सकते हैं, जो उनके लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी।

यह ट्रेन सेवा न केवल परिवहन को अधिक आरामदायक और सुविधाजनक बनाएगी, बल्कि यह हमारे शहरों और कस्बों को जोड़कर हमारे देश के आर्थिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

इसके अलावा, इस विशेष रेल सुविधा से सड़कों पर भीड़-भाड़ में कमी लाने में भी बहुत मदद मिलेगी और साथ ही इससे पर्यावरण पर भी अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

इस नई मेमू ट्रेन की शुरुआत भारतीय रेलवे की कड़ी मेहनत और अनगिनत लोगों के प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने इस पहल को हकीकत में बदलने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं उनके प्रयासों की सराहना करता हूं और कोटा के लोगों को दिये इस विशेष उपहार के लिए माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

यह नई ट्रेन सेवा हमारे देश में उन्नति और विकास के एक नए युग का सूत्रपात करेगी। मुझे खुशी है कि इस रेल सेवा से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय और भी कम हो जाएगा तथा इससे जुड़ी सुविधाओं से आपको एक सुखद और सुरक्षित यात्रा का अनुभव होगा।

मुझे बताया गया है कि इस रेल के डिब्बों में पर्याप्त स्थान उपलब्ध है जिससे आपकी यात्रा निश्चित ही सुखद होगी।

जैसाकि हम सभी जानते हैं कि गत नौ वर्षों में भारत सरकार ने भारतीय रेल नेटवर्क को विश्व का सबसे अच्छा रेल नेटवर्क बनाने की दिशा में अनेक पहलें की हैं। भारतीय रेल ने रेल यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने और नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर कदम उठाए हैं।

लोगों को एक- दूसरे से और सम्पूर्ण राष्ट्र को जोड़ने में रेल नेटवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेशनों और ट्रेनों तथा आधुनिक तकनीक के साथ भारतीय रेल

का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। वर्तमान में हमारे देश के विभिन्न भागों में अनेक अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 'वंदे भारत' ट्रेनें चल रही हैं।

देश के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों को रेल के माध्यम से जोड़कर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भव्य ऐतिहासिक स्थलों को दर्शाने के लिए भारत सरकार ने 'भारत गौरव' ट्रेनों की शुरूआत की है।

अब तक, 22 राज्यों और 04 संघ राज्यक्षेत्रों को कवर करते हुए भारत गौरव ट्रेनों के लगभग 26 फेरे पूरे हो चुके हैं।

इसके अलावा भारतीय रेल के विभिन्न खंडों में ट्रेनों में विस्टाडोम कोच लगाए गए हैं ताकि यात्रियों को बाहर के विस्तृत दृश्य दिखाई दें और वे अपनी यात्रा के दौरान विभिन्न स्थलों के मनोरम दृश्यों का भरपूर आनंद उठा सकें।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए 6427 स्टेशनों पर प्वाइंट और सिग्नल के केंद्रीयकृत प्रचालन के साथ इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का प्रावधान किया गया है ताकि मानवीय चूकों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

ट्रेन प्रचालन के लिए, भारत सरकार ने लाइनों की क्षमता को बढ़ाने और भारतीय रेल के मौजूदा हाई डेन्सिटी रूट्स पर अधिक ट्रेनें चलाने के लिए ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) जैसी डिजिटल प्रौद्योगिकियों का अधिक उपयोग शुरू किया है।

जैसाकि हम जानते हैं कि भारतीय रेल द्वारा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। स्वदेशी उपकरणों का विकास भी किया जा रहा है और रेल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुझे यह बात साझा करते हुए खुशी हो रही है कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के साथ नेशनल ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम के रूप में कवच प्रणाली को अपनाया गया है। भारतीय रेल ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर पर ऐसी प्रणालियों की शुरूआत की है।

इसके अलावा, रेल मंत्रालय ने क्षमता निर्माण, शोध और डिजाइन के माध्यम से विशेष और तकनीकी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से सिकंदराबाद में मॉडर्न सिग्नलिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है।

लोगों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए देश के लगभग 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाएं प्रदान कर उन्हें 'अमृत भारत स्टेशन' के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है और उन्हें एक नया स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

ऐसे पुनर्विकसित स्टेशनों पर विशाल रूफ प्लाजा, फूड कोर्ट, वेटिंग लाउंज, बच्चों के लिए प्ले एरिया, स्थानीय उत्पादों के लिए निर्दिष्ट स्थान आदि जैसी सुविधाएं होंगी।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अपराधों पर लगाम लगाकर यात्रियों के लिए यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए भारतीय रेल ने कई कदम उठाए हैं।

इनमें संवेदनशील और चिन्हित मार्गों/खंडों पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी और रेलवे सुरक्षा बल द्वारा औसतन 2500 गाड़ियों को एस्कॉर्ट किया जाना शामिल है।

यात्रियों के लिए अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) ऐप जिस पर यात्री ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं, को अद्यतन बनाया गया है। यात्री सुरक्षा बढ़ाने और उनकी सुरक्षा सम्बन्धी चिंताओं का समाधान करने के लिए भारतीय रेल ट्विटर और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के माध्यम से महिला यात्रियों सहित सभी यात्रियों के साथ नियमित संपर्क में रहता है।

इसके अलावा, भारतीय रेल ने ग्राहकों की शिकायतों का निवारण करने, पूछताछ, सुझाव और सहायता सुविधा प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप सोल्यूशन के रूप में एक एकीकृत और नवीन 'रेल मदद' ऐप की भी शुरुआत की है, जो यात्रियों को यात्रा के दौरान उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए वेब, ऐप, एसएमएस, सोशल मीडिया जैसे कई चैनलों और हेल्पलाइन नंबर (139) के माध्यम से 'रेलमदद' ऐप से सहायता प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है।

रेलवे स्टेशनों पर सौर ऊर्जा और ट्रेनों में बायोडीजल का उपयोग करके भारतीय रेल 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए स्वच्छ उर्जा प्रणालियों को अपनाकर अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में कदम उठा रहा है।

इस दिशा में, भारतीय रेल ने 143 मेगावाट से अधिक के सौर संयंत्र (छत और भूमि दोनों जगह पर) और 103 मेगावाट से अधिक के पवन ऊर्जा संयंत्र लगाए हैं।

वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क का तेजी से हो रहा विद्युतीकरण भारतीय रेल के आधुनिकीकरण का एक अच्छा उदाहरण पेश करता है। भारतीय रेल 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को पूरा करने और दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन रेल नेटवर्क बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

मुझे पूरा विश्वास है कि इन विकास कार्यों के साथ भारतीय रेल यात्रा के दौरान अपने यात्रियों को एक विश्व स्तरीय अनुभव कराएगा।

साथियो, भारत सरकार ने विशेष रूप से ऐसे समय में, जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, देश में बड़े पैमाने पर बुनियादी सुविधाओं का विकास करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान देश में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार संबंधी भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में मल्टी-मॉडल संपर्क सहित देश के हर कोने में संपर्क सुविधाओं का विकास करना है।

पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान देश में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार संबंधी भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य पूरे देश में मल्टी संपर्क सहित देश के हर कोने में संपर्क सुविधाओं का विकास करना है।

भारत सरकार रेलवे, हवाई मार्ग, जल मार्ग, बंदरगाह, परिवहन और लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर की विभिन्न परियोजनाओं का एकीकरण करके उनके बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित कर रही है।

पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान की देश का विकास करने में असाधारण और अभूतपूर्व भूमिका रही है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पीएम गति शक्ति योजना के तहत नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप ने पूरे देश में अब तक 53 अवसंरचना परियोजनाओं की सिफारिश की है।

वैश्वीकरण के इस दौर में संपर्क और परिवहन सुविधाओं का देश के विकास में अत्यधिक महत्व है । इस नई मेमू ट्रेन की शुरुआत होने से दोनों शहरों के बीच संपर्क सुविधाएं बेहतर होंगी। इसके अतिरिक्त, इस ट्रेन सेवा के शुरू होने से दोनों शहरों के लोगों का अर्थिक विकास भी होगा। दोनों शहरों को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने की दिशा में यह एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पहल है और मुझे विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से विकास की यह प्रक्रिया इसी प्रकार जारी रहेगी।

इन्ही शब्दों के साथ, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस ट्रेन सेवा के सपने को साकार करने में अपना योगदान दिया है। आइए, हम सभी मिलकर इस महत्वपूर्ण दिन का जश्न मनाएं और देश के विकास में मिलकर कार्य करने का प्रण लें।